हमारी शक्ति, हमारा ग्रह

22 अप्रैल

पृथ्वी दिवस, 2026

कार्तिकेय साराभाई

राष्ट्रीय वेबिनार
स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

पृथ्वी दिवस

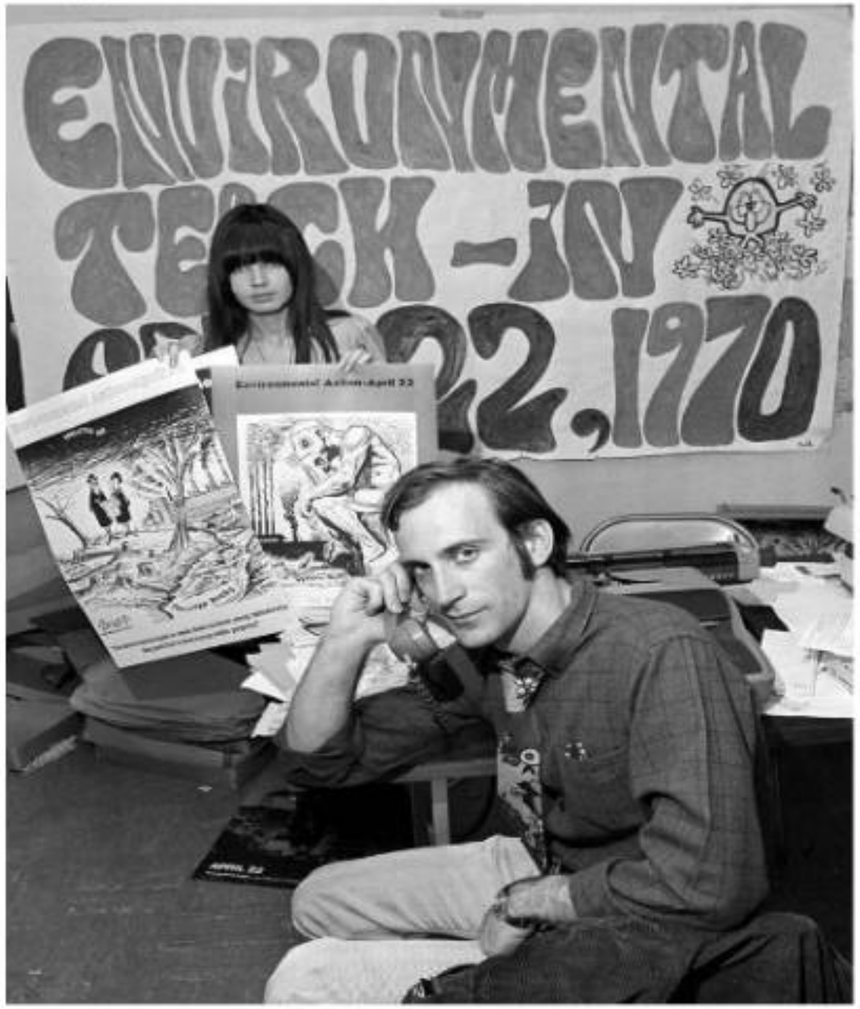

- पृथ्वी दिवस हर वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है। यह आधुनिक पर्यावरण आंदोलन की शुरुआत का प्रतीक है और हमें पृथ्वी के प्रति अपनी साझा जिम्मेदारी की याद दिलाता है।
- पृथ्वी दिवस की शुरुआत वर्ष 1970 में हुई थी और इसने लगभग 2 करोड़ लोगों में जागरूकता बढ़ाई।
- इसका आयोजन डेनिस हेयस (तत्कालीन हार्वर्ड के छात्र) द्वारा किया गया था।

जैव विविधता का ह्रास

हम हर 15–20 मिनट में एक प्रजाति खो रहे हैं।

प्रदूषण

कुछ वर्षों में समुद्र में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होगा।

क्या आप जानते हैं?

इंसान हर सप्ताह लगभग 5 ग्राम माइक्रोप्लास्टिक कंज्यूम करता हैं, जो वजन में एक क्रेडिट कार्ड के बराबर है।

जलवायु परिवर्तन

जीवाश्म ईंधनों के जलने से ग्लोबल वार्मिंग 1.5 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुँच रही है।

“हमारी शक्ति, हमारा ग्रह”

मुख्य रूप से केंद्रित है:

- ऊर्जा के उपयोग में कमी लाने पर
- जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने पर
- नवीकरणीय ऊर्जा को तेज़ी से बढ़ावा देने पर
- मिशन लाइफ (LiFE) के अनुरूप टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देने पर।

हैंडप्रिंट: सततता के लिए कदम

हैंडप्रिंट सकारात्मक कार्य, प्रतिबद्धता और माप का प्रतीक है। यह जुड़ाव का भी अर्थ देता है - हाथ मिलाना, देखभाल का प्रतीक होना, और प्रेरित करना।

हैंडप्रिंट™
सततता के लिए
कदम

ऊर्जा

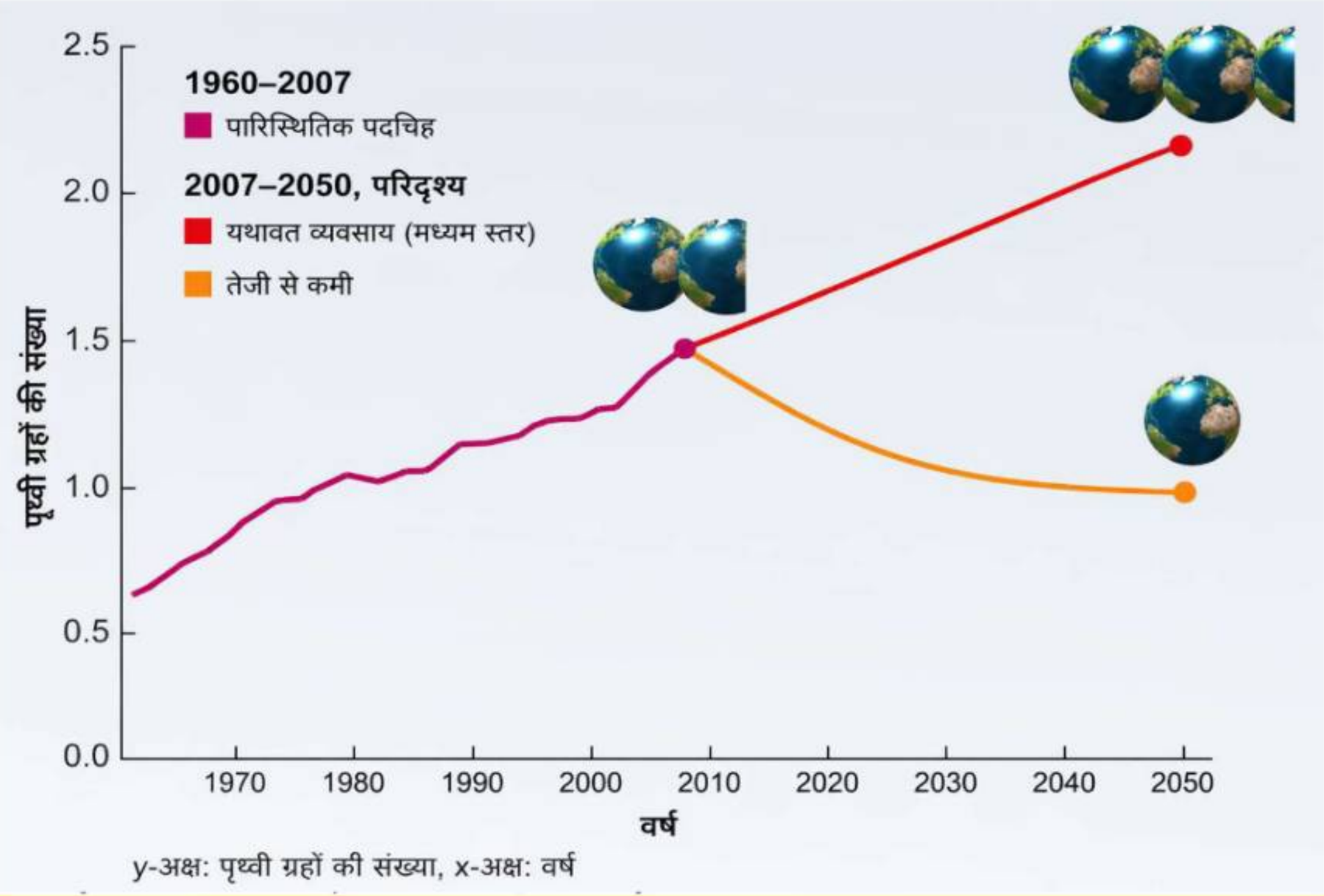
2.5
2.0
1.5
1.0
0.5
0.0
पृथ्वी ग्रहों की संख्या
1960–2007
पारिस्थितिक पदचिह
2007–2050, परिदृश्य
यथावत व्यवसाय (मध्यम स्तर)
तेजी से कमी
1970
1980
1990
2000
2010
2020
2030
2040
2050
वर्ष
y-अक्ष: पृथ्वी ग्रहों की संख्या, x-अक्ष: वर्ष

पृथ्वी ओवरशूट दिवस

पृथ्वी ओवरशूट दिवस हर साल और जल्दी आ रहा है

पृथ्वी ओवरशूट दिवस की ऐतिहासिक तिथियाँ

पृथ्वी ओवरशूट दिवस उस तिथि को दर्शाता है, जब किसी वर्ष में मानवता की पारिस्थितिक संसाधनों की मांग, पृथ्वी द्वारा उसी वर्ष दोबारा उत्पन्न किए जा सकने वाले संसाधनों से अधिक हो जाती है।

Source: Statista/
Global Footprint Network

पृथ्वी ओवरशूट दिवस उस तारीख को दर्शाता है, जब मानवता पृथ्वी द्वारा पूरे वर्ष में दोबारा उत्पन्न किए जाने वाले सभी जैविक संसाधनों का उपयोग कर चुकी होती है।

2025 की तिथि: 24 जुलाई

LiFE
Lifestyle for Environment

"आज आवश्यकता है कि हम सभी एकजुट होकर लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट (LiFE) को जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाएँ।"

श्री नरेंद्र मोदी
भारत के माननीय प्रधानमंत्री
COP26, ग्लासगो(Glasgow)

भारत के ऊर्जा लक्ष्य और बदलाव की दिशा

- भारत ने जून 2025 तक अपनी कुल स्थापित ऊर्जा क्षमता का आधा हिस्सा गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्रोतों से हासिल कर लिया है।
- सौर, पवन, जलविद्युत, परमाणु ऊर्जा

प्रोजेक्ट वायु

पारंपरिक मटके की तकनीक अपनाकर-पुनर्चक्रित मिट्टी के कुल्हड़ों से वाष्पीकरण के जरिए ठंडक पैदा की गई।
तापमान में 6 से 10 डिग्री सेल्सियस तक कमी आई।

यह प्रमाण है कि छात्र उपलब्ध साधनों से भी बड़ी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Department of School Education & Literacy
Ministry of Education, Government of India

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

Eco Clubs For Mission LiFE

Adopt Healthy Lifestyles

Read More

Adopt Sustainable Food Systems

Read More

Reduce Waste

Read More

Reduce E-waste

Read More

Save Energy

Read More

Save Water

Read More

Say No to Single Use Plastic

Read More

भारत में पृथ्वी दिवस का स्थानीय प्रभाव

जागरूकता से आगे बढ़कर सततता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना।

“हमारी शक्ति, हमारा ग्रह”

किसी और के आगे आने का इंतज़ार मत करें-खुद बदलाव की शुरुआत बनें।

पृथ्वी दिवस 2026 की शुभकामनाएँ!

Eco Clubs For Mission LiFE